अंडों की कहानी

मिलिसेंट सेल्सम

अंडों की कहानी

मिलिसेंट सेल्सम
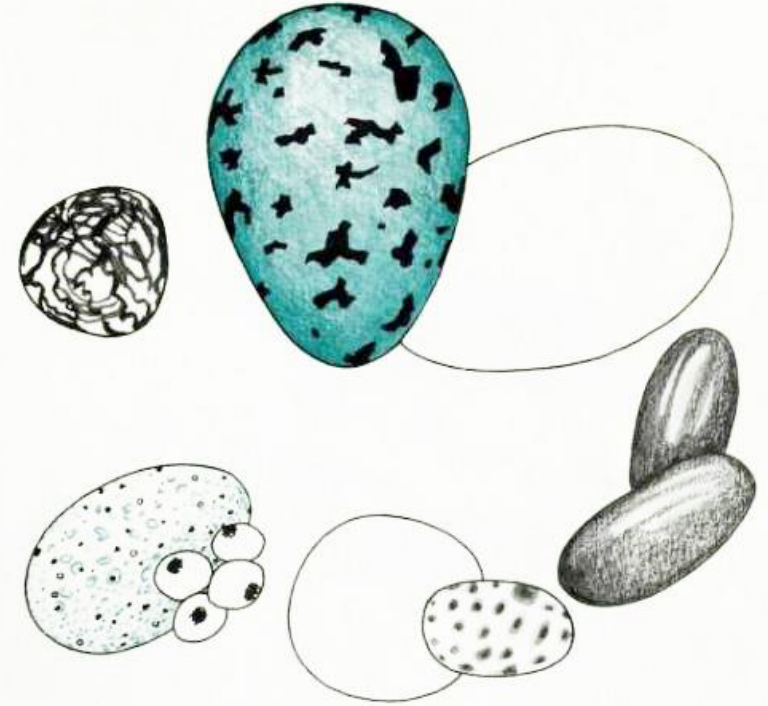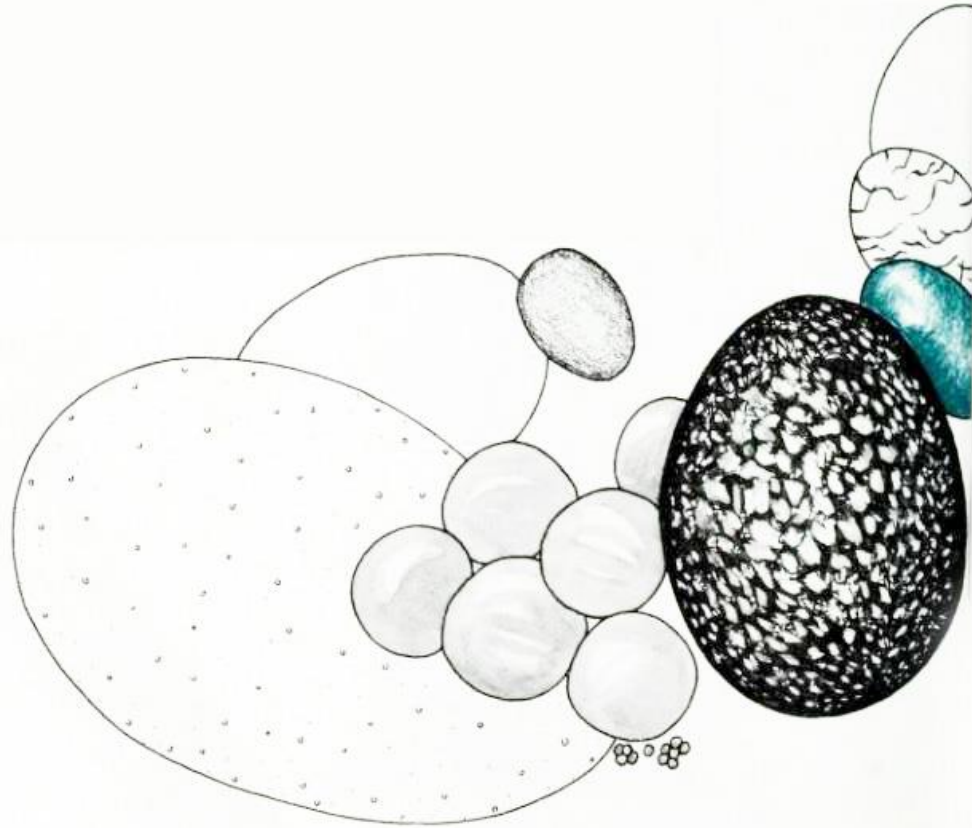
अंडे, अंडे, अंडे: सफेद अंडे, धब्बेदार अंडे, बड़े अंडे, छोटे अंडे, सख्त खोल वाले और मुलायम जेली के आवरण वाले अंडे. अंडे एक-दूसरे से बहुत भिन्न होते हैं.

इसमें कोई आश्चर्य नहीं है!

क्योंकि अलग-अलग तरह के अंडों से अंत में अलग-अलग तरह के जीव बनते हैं.

यहाँ कुछ अंडे हैं जिन्हें हम सबसे अच्छी तरह जानते हैं.
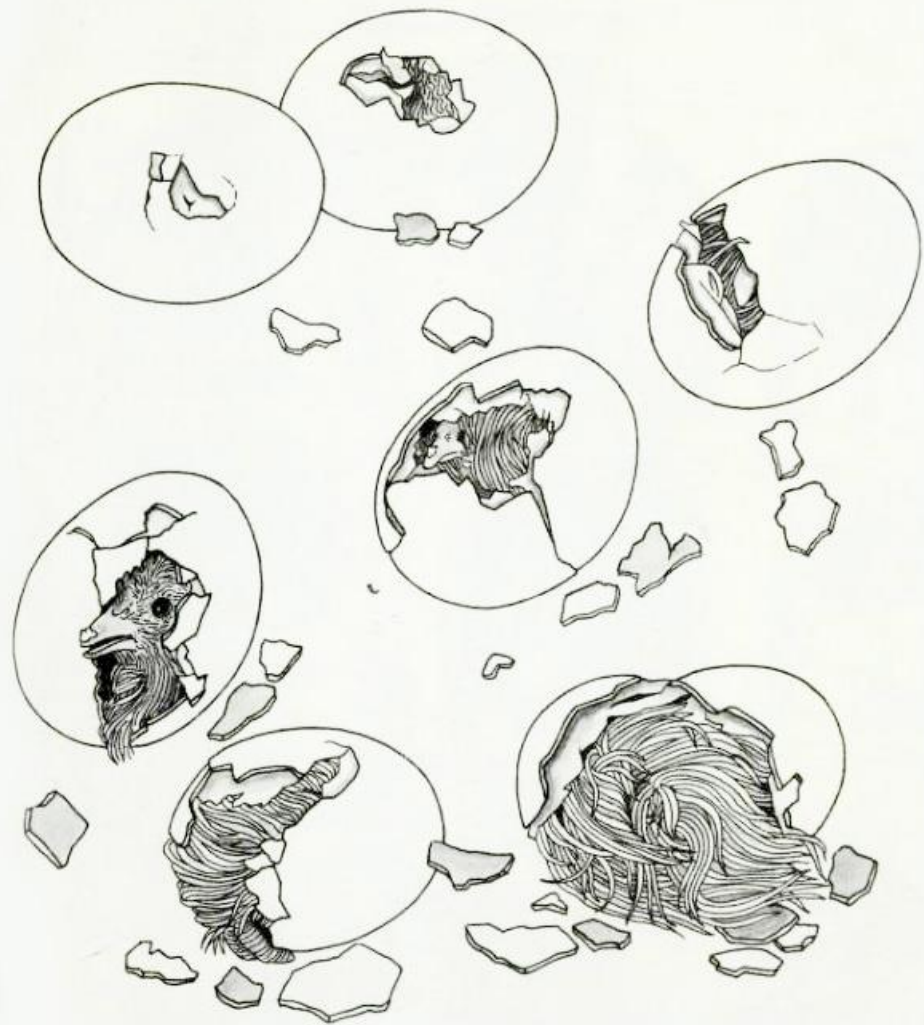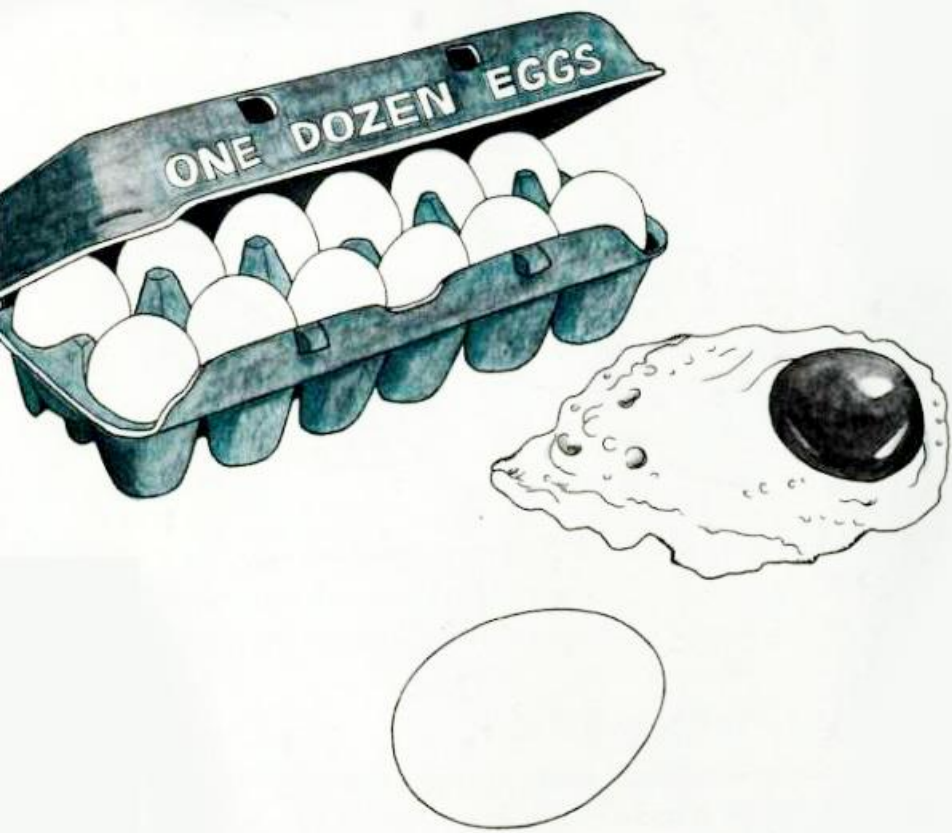
जब यह अंडे फूटेंगे, तो उनमें से क्या निकलेगा?
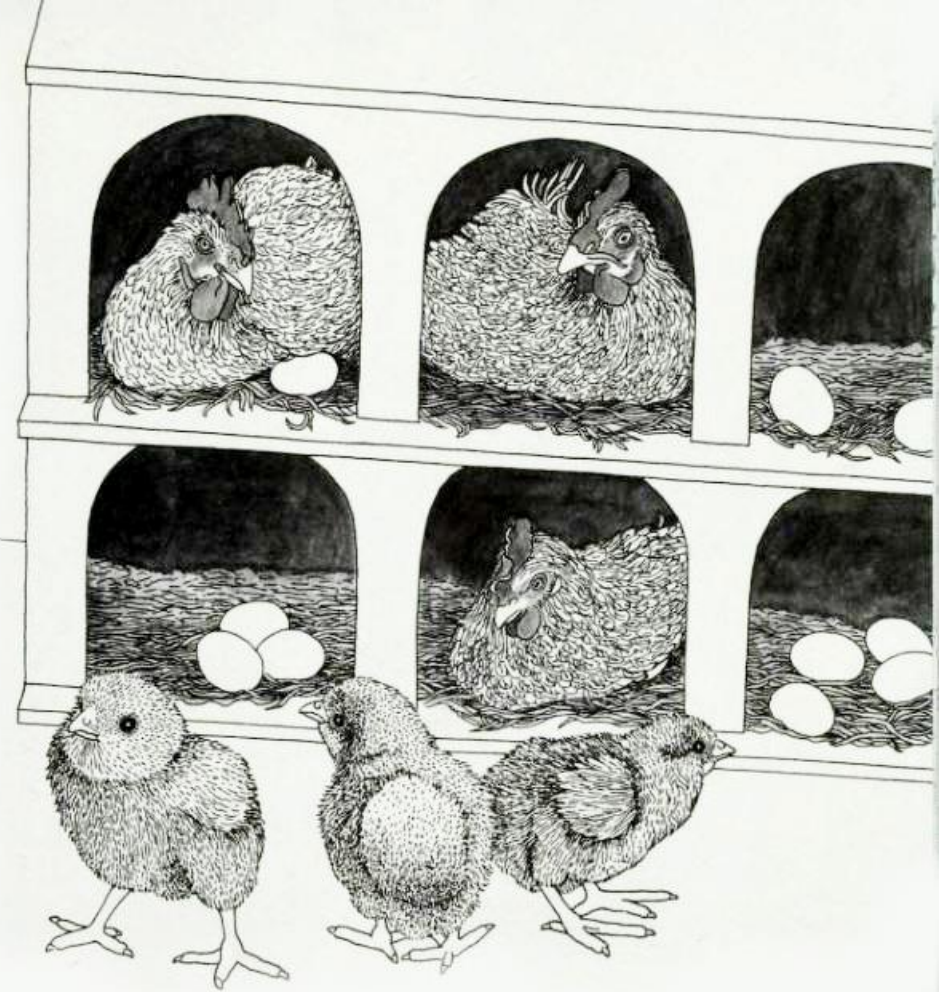
छोटे चूज़े, बिल्कुल छोटे मुरझाए, पीले चूजे,
जो बड़े होकर बड़े मुर्गियाँ और मुर्गे बनेंगे.
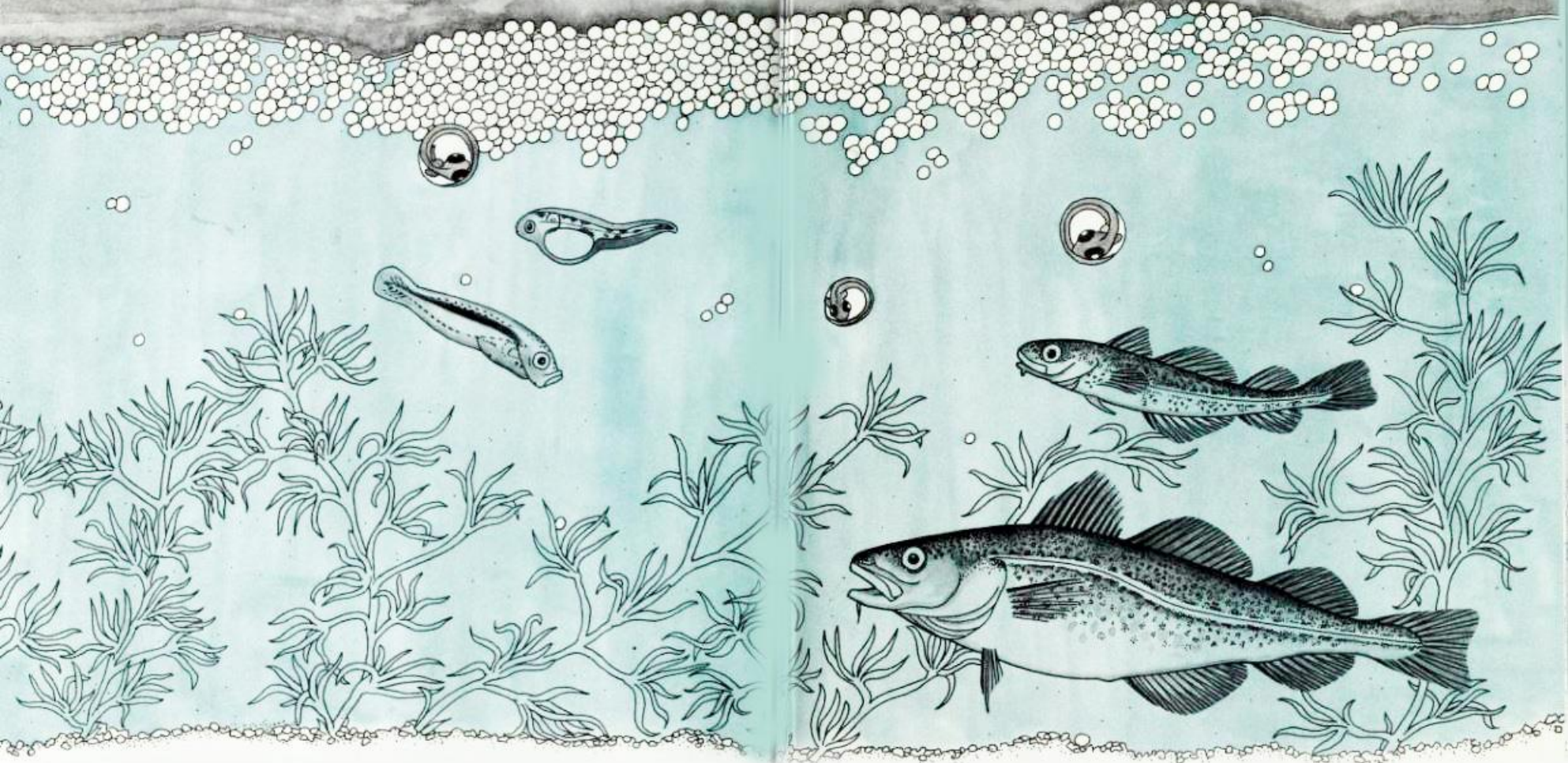
सैकड़ों हजारों और लाखों अंडे! इतने सारे अंडे एक अकेली कॉडफिश ने दिए हैं. देखो, कॉडफिश के अंडों की एक बड़ी भीड़ यहां पानी पर तैर रही है.

इनमें से बहुत सारे अंडे समुद्र में तैरने वाली अन्य मछलियों निगल जाएँगी, लेकिन . . . उनमें से कुछ अंडे बेबी कॉडफिश में बदलेंगे और फिर वे बड़ी-बड़ी कॉडफिश बनेंगी.
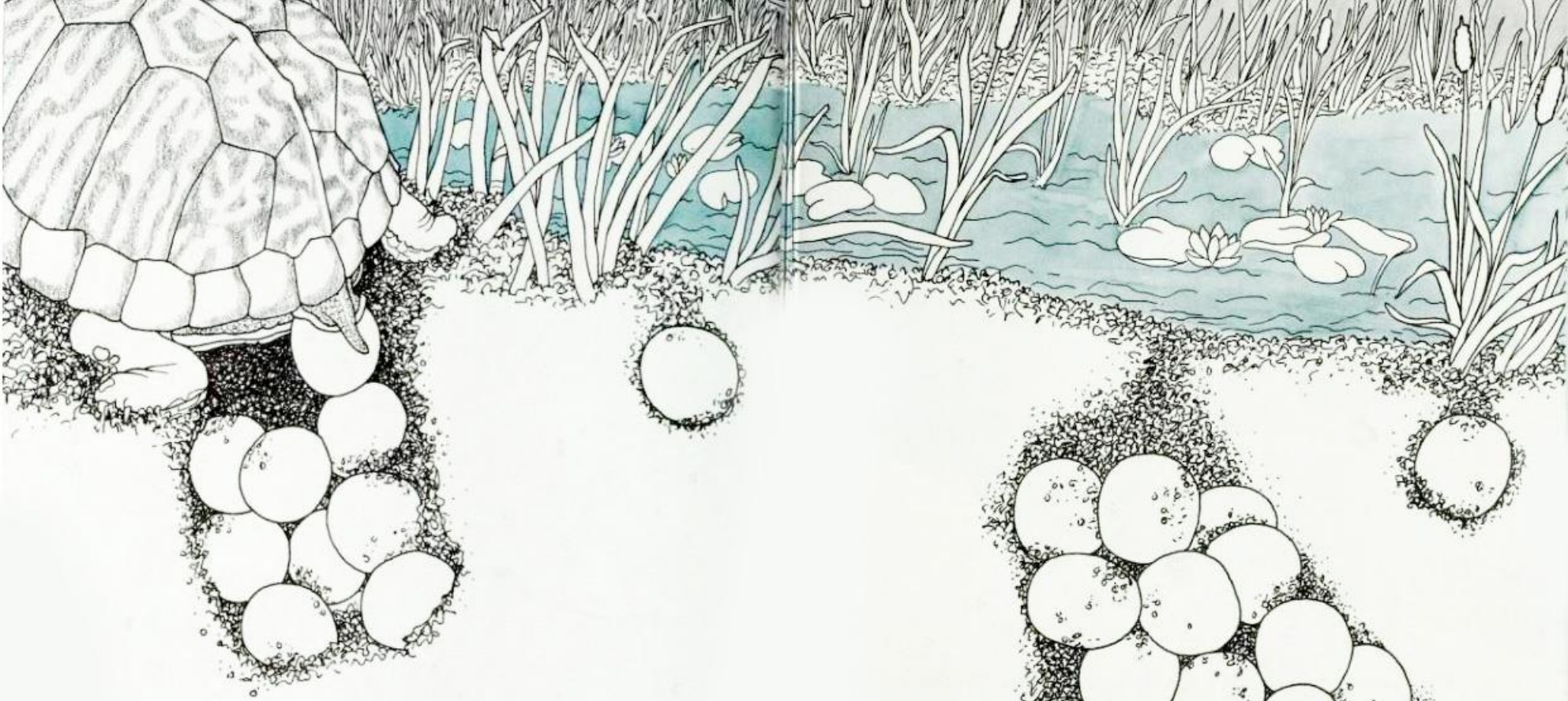
यहाँ कुछ सफेद अंडे हैं जिनके रबड़ जैसे पतले खोल हैं. वे तालाब के पास एक गर्म रेतीले स्थान पर एक छेद में पड़े हैं.
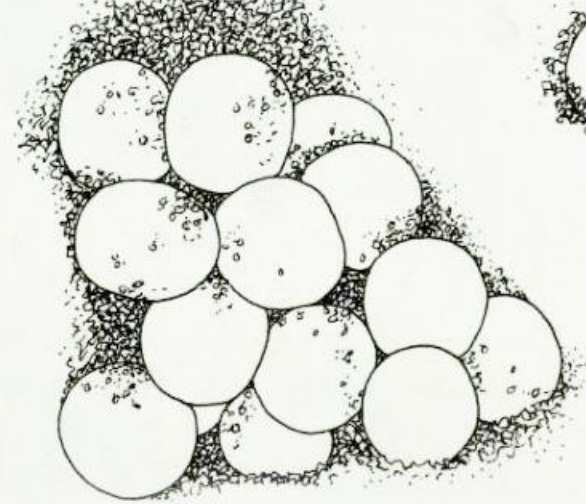
इन अंडों में से क्या निकलेगा?
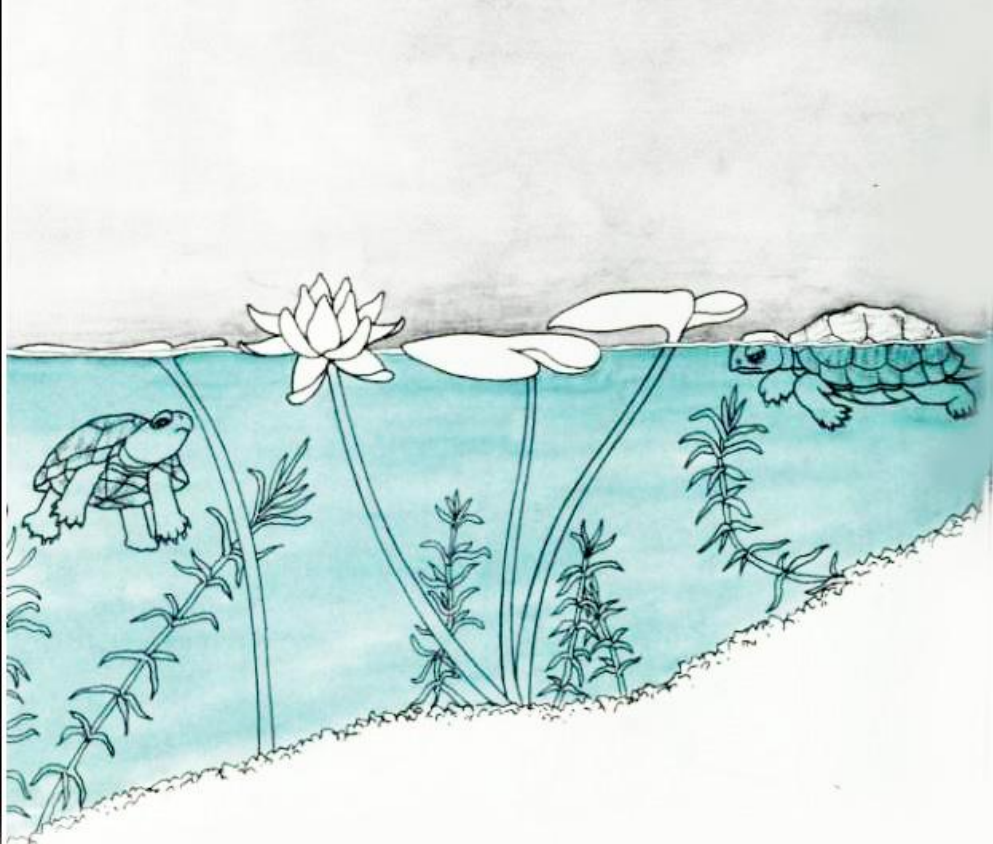
इन अंडों से छोटे-छोटे कछुए निकलेंगे.
वे तालाब के कीचड़ भरे किनारों से नीचे
उतरेंगे और फिर पानी में तैरेंगे.
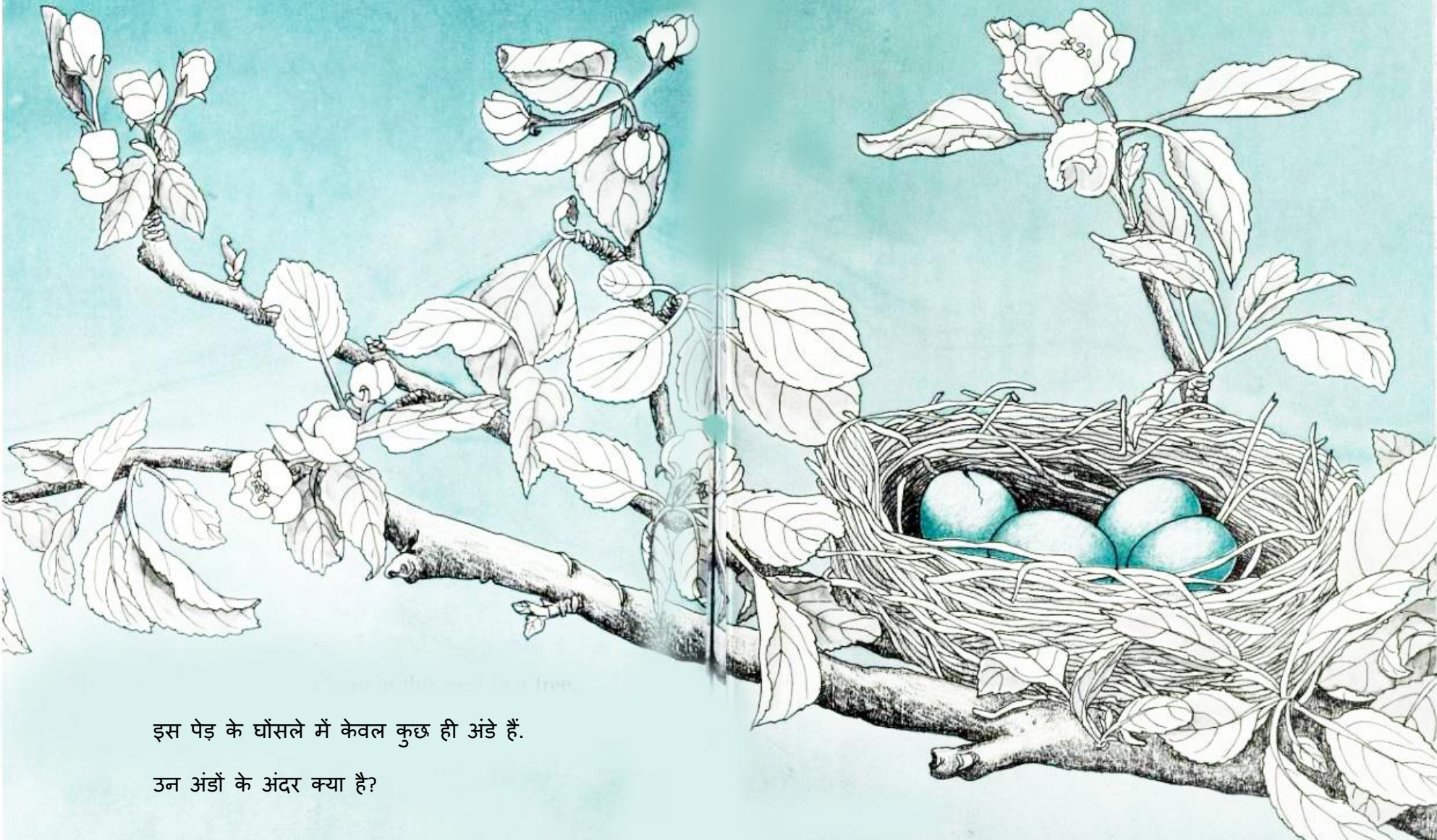
इस पेड़ के घोंसले में केवल कुछ ही अंडे हैं.

उन अंडों के अंदर क्या है?

उनके अंदर पक्षी के बच्चे हैं. वे खोल पर अपनी चोंच मारेंगे और खोल को तोड़ देंगे. . . और फिर उनमें से चार रॉबिन पक्षी के बच्चे बाहर आएंगे.
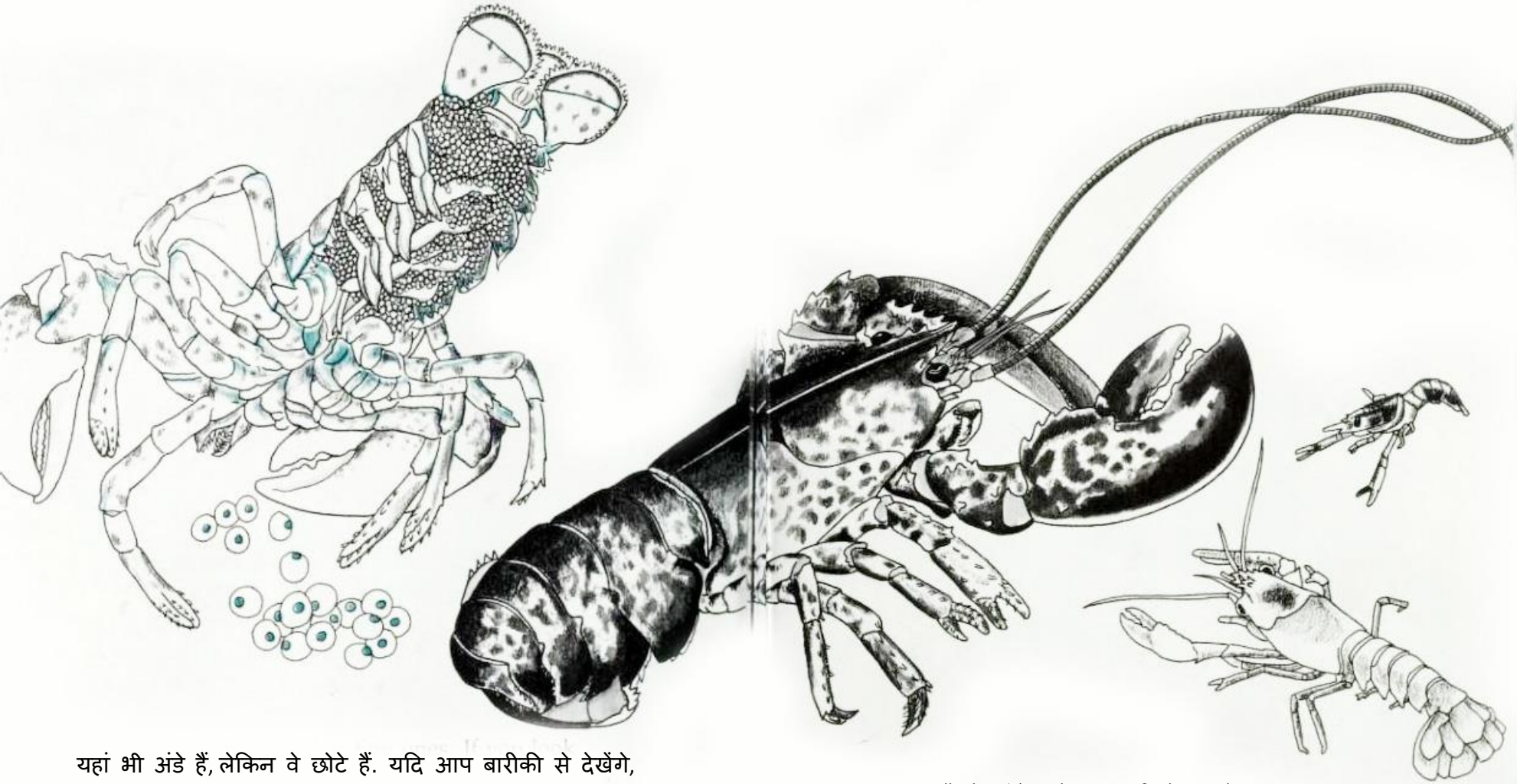
यहां भी अंडे हैं, लेकिन वे छोटे हैं. यदि आप बारीकी से देखेंगे, तो आप उन्हें माँ झींगा (लाब्स्टर) के नीचे चिपके हुए पाएंगे. माँ झींगा उन्हें लगभग एक साल तक इसी तरह ढोएगी. आप अच्छी तरह अंदाजा लगा सकते हैं कि इन अंडों में से क्या निकलेगा.

उनमें से छोटे झींगा मछली के बच्चे बाहर निकलेंगे और बड़े होने पर वे बदलेंगे.
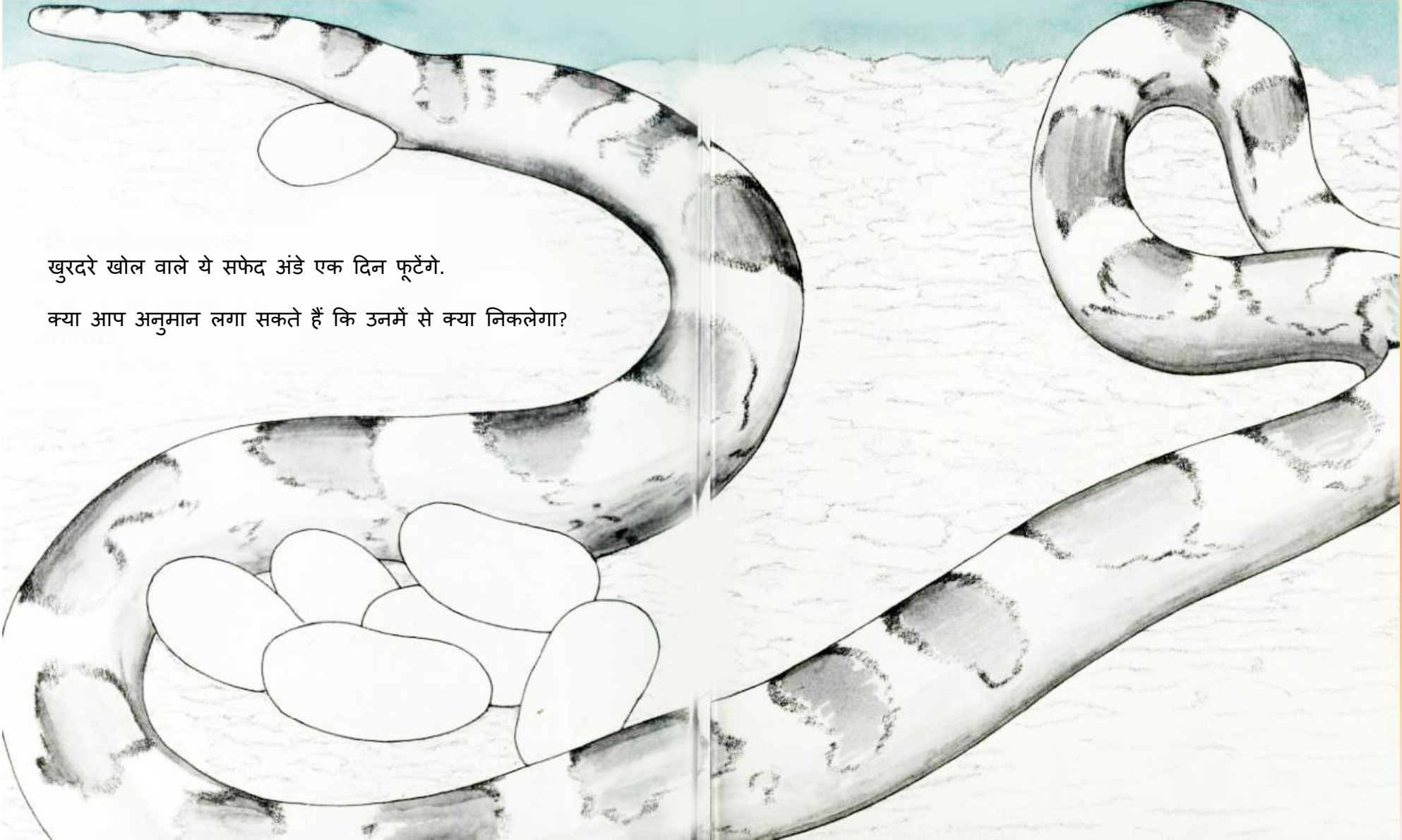
मधुमक्खियां भी अंडे देती हैं. लेकिन इन अंडों को देखने के लिए मधुमक्खी के छत्ते में झांकना बहुत खतरनाक होगा. मधुमक्खियां आपको डंक मार सकती हैं!

लेकिन अगर आप छत्ते के अंदर देख पाएं तो वहाँ आपको बहुत सारे अंडे मिलेंगे. प्रत्येक अंडा एक छोटे मोम के कमरे में होगा. और हरेक अंडा एक मधुमक्खी बनेगा.
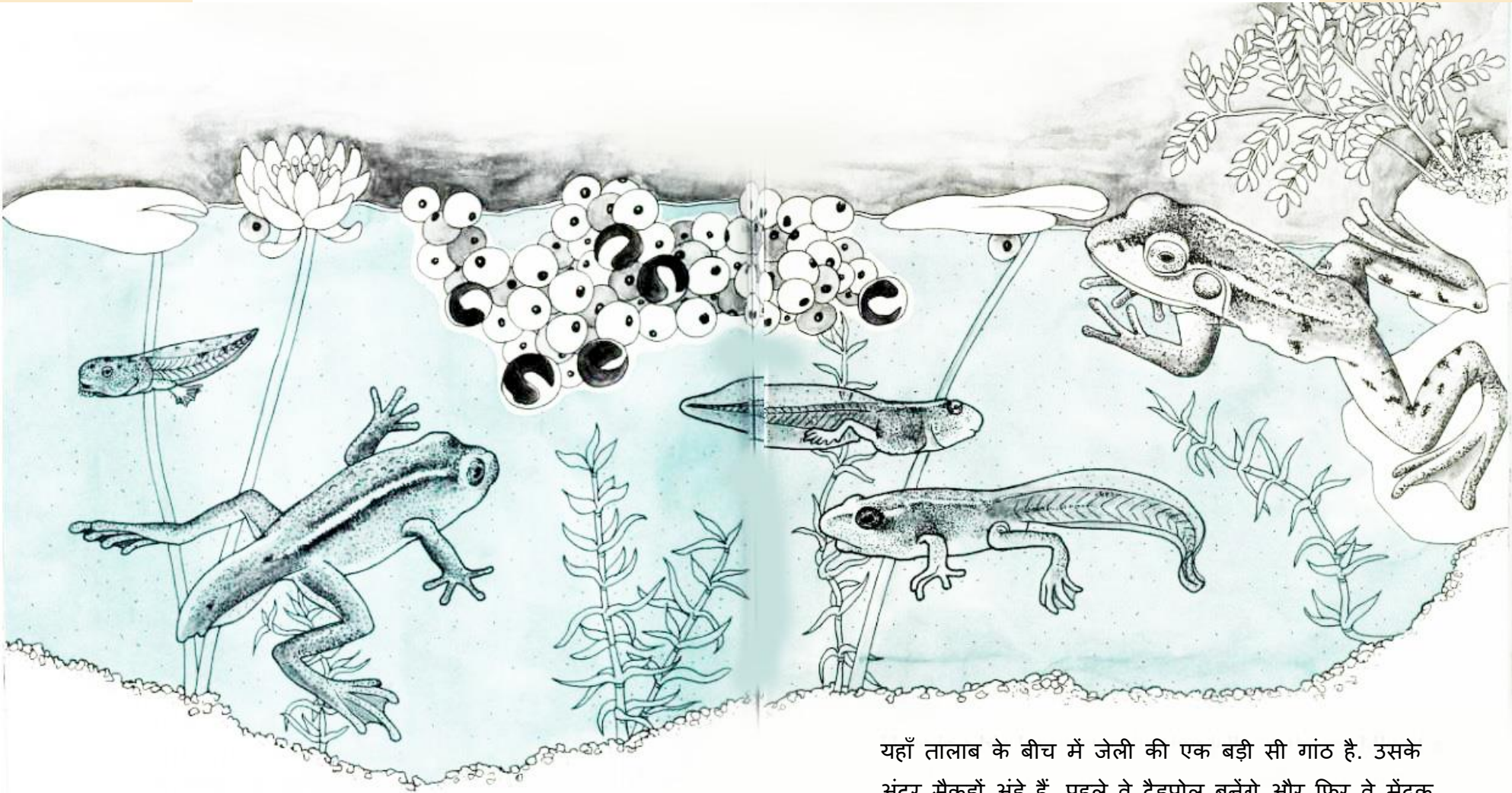
यहाँ तालाब के बीच में जेली की एक बड़ी सी गांठ है. उसके अंदर सैकड़ों अंडे हैं. पहले, वे टैडपोल बनेंगे और फिर वे मेंढक बनेंगे. और फिर वे उसी तालाब से अंदर और बाहर कूदेंगे.

खुरदरे खोल वाले ये सफेद अंडे एक दिन फूटेंगे.

क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि उनमें से क्या निकलेगा?

सांप के बच्चे - रेंगने वाले छोटे सांप के बच्चे!
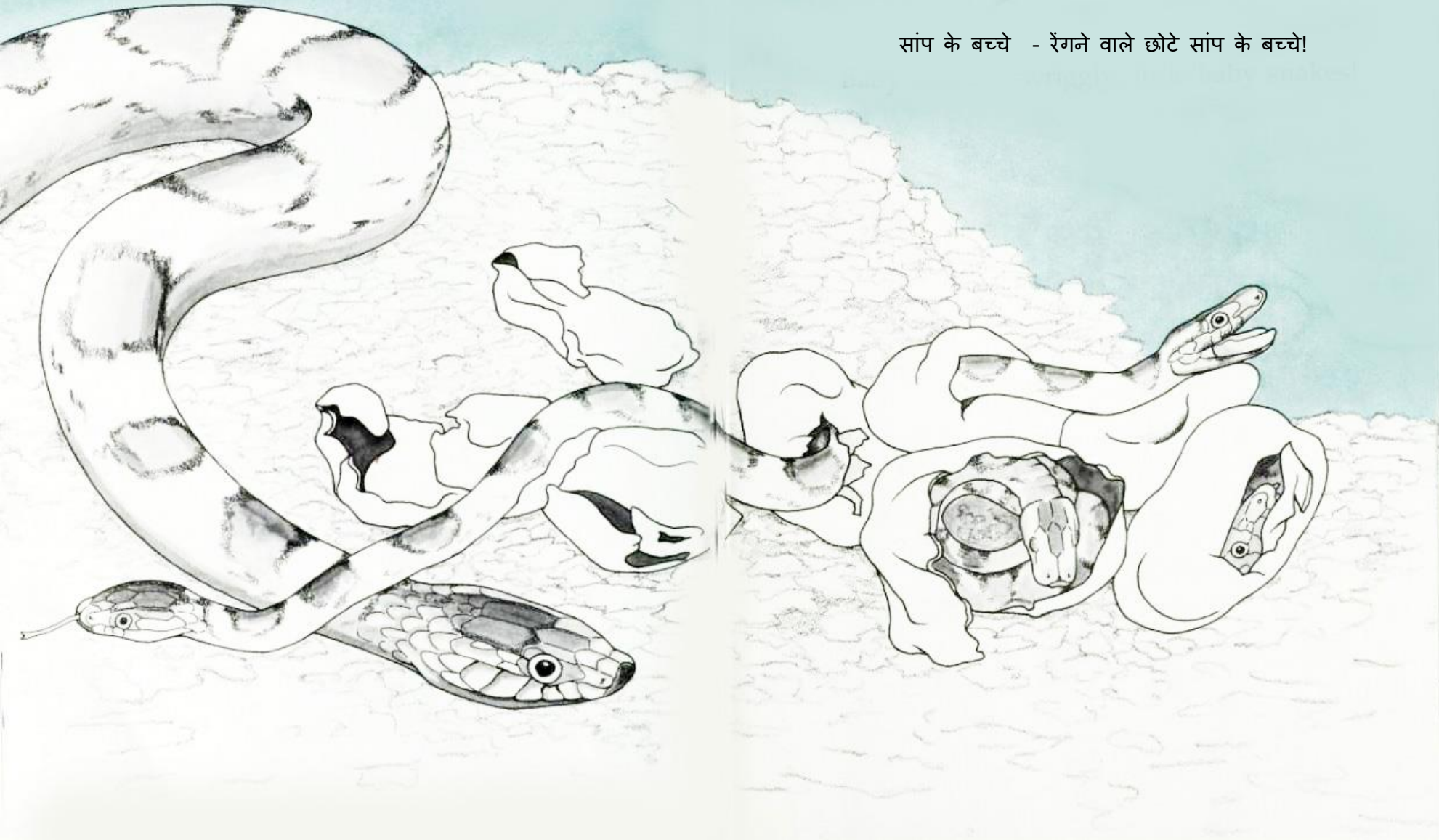
यहाँ कुछ अंडे हैं - सूखे रेतीले मैदान
के एक छेद में कुछ बड़े-बड़े अंडे.

इन बड़े-बड़े अंडों में से क्या निकलेगा?
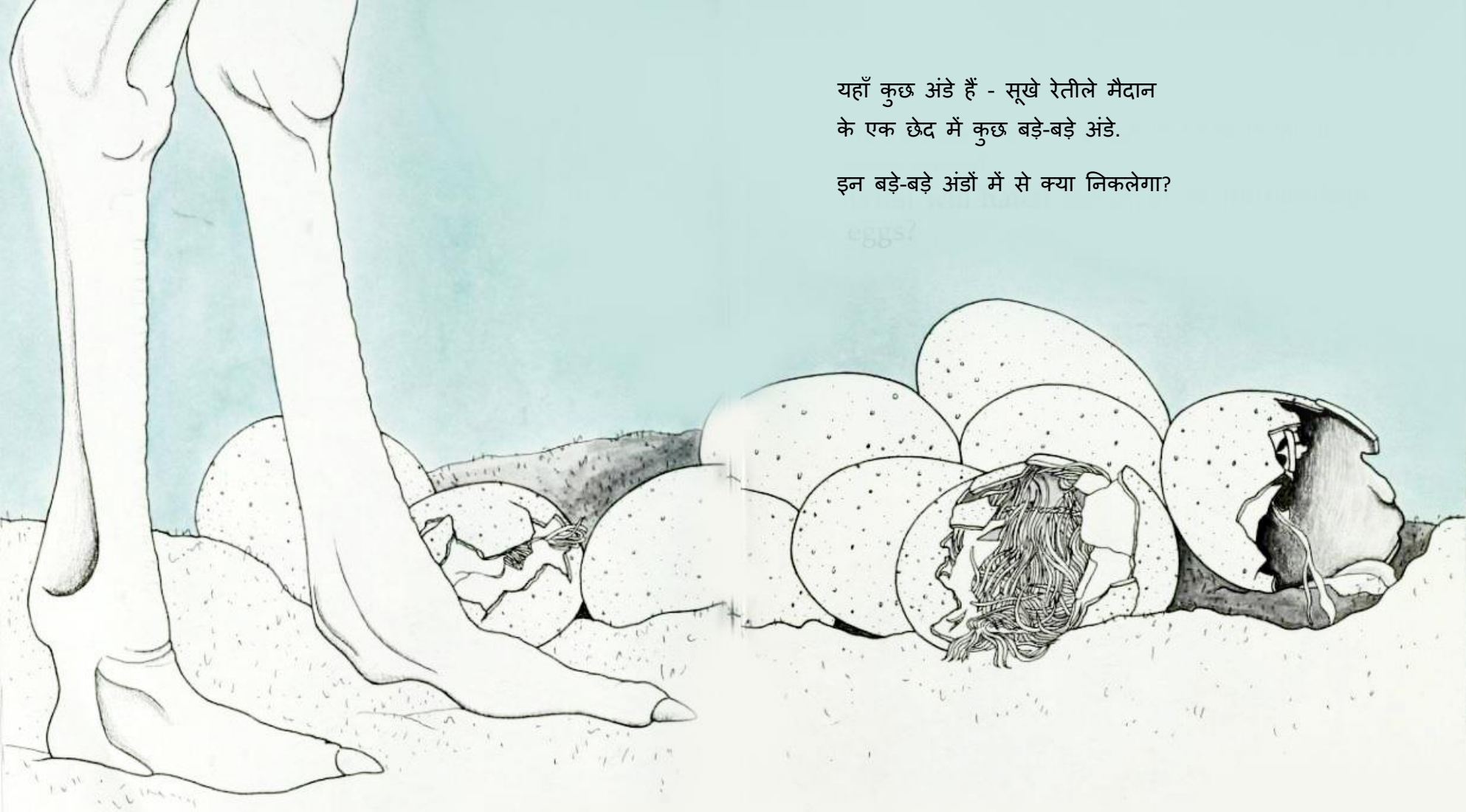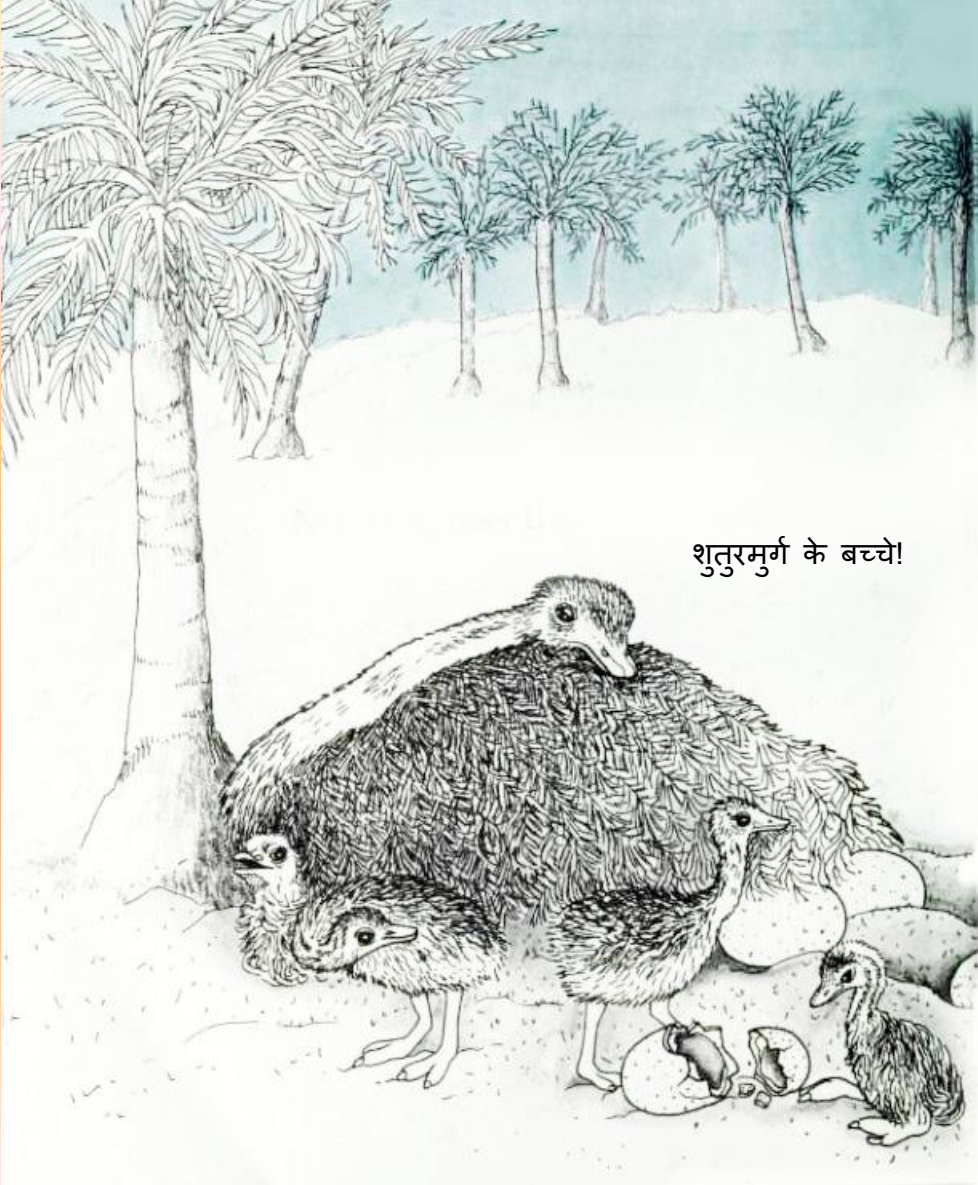
शुतुरमुर्ग के बच्चे!
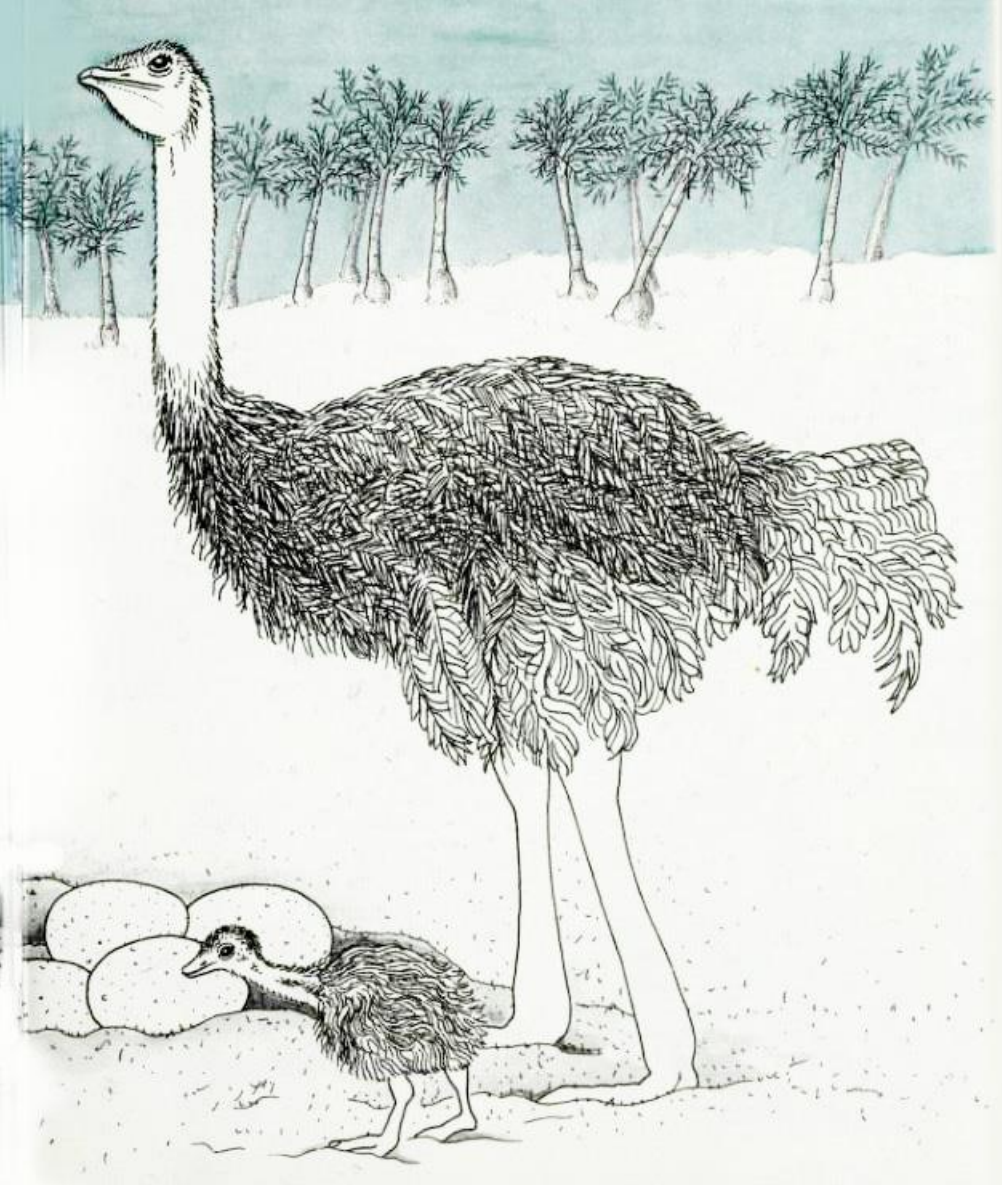
आपने देखा कितने सारे अलग-अलग प्रकार के अंडे हैं. पानी में अंडे, रेत में अंडे, खुरदुरे अंडे, चिकने अंडे, बड़े अंडे और छोटे अंडे. विभिन्न प्रकार की माताओं द्वारा दिए गए अलग-अलग प्रकार के अंडे.
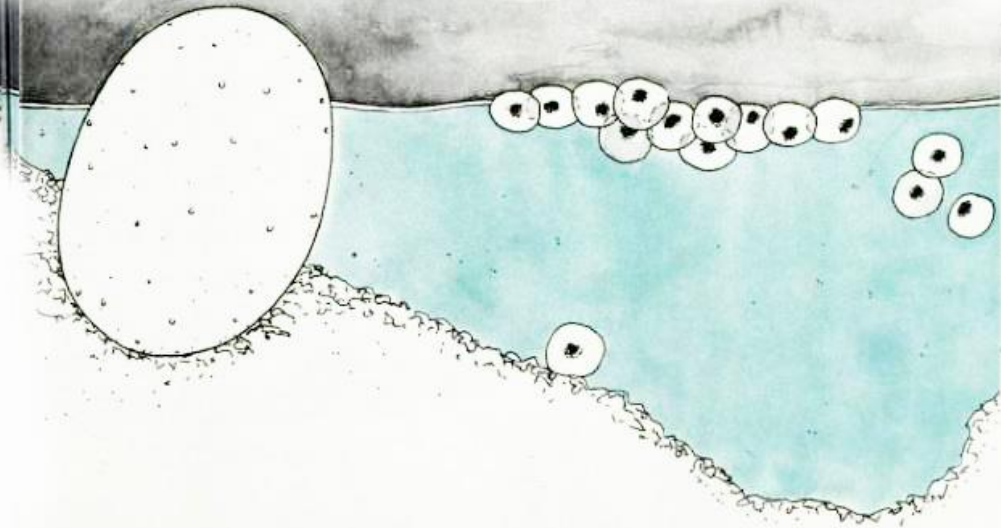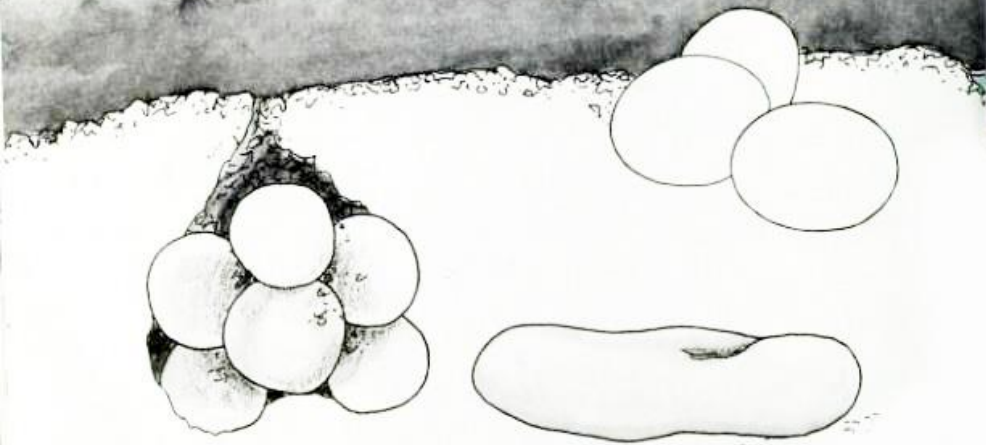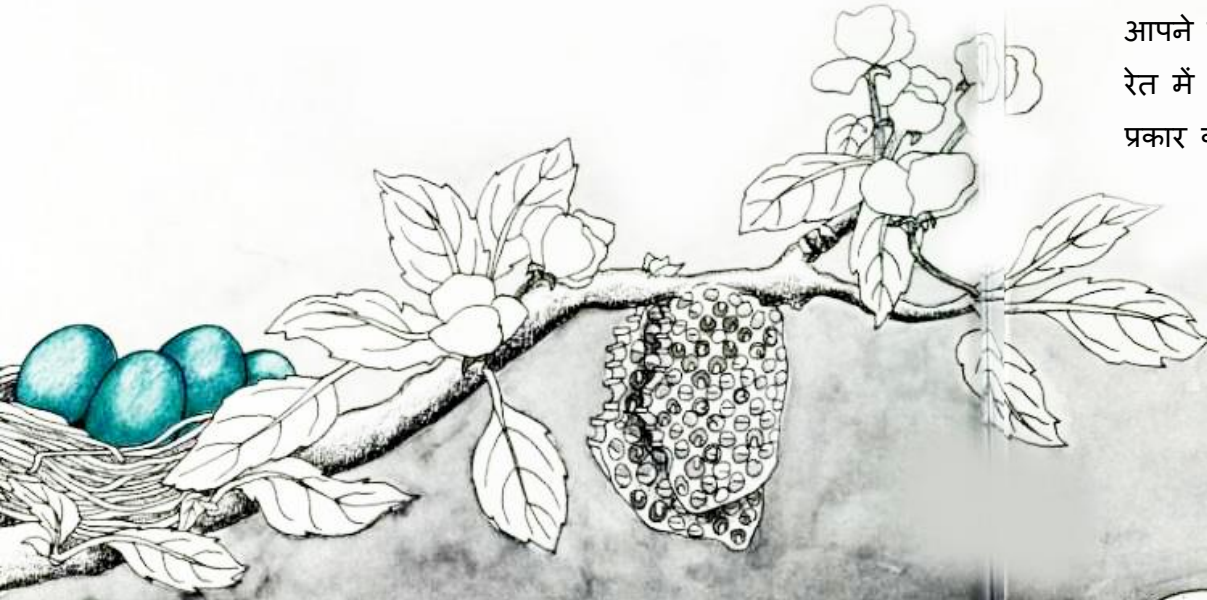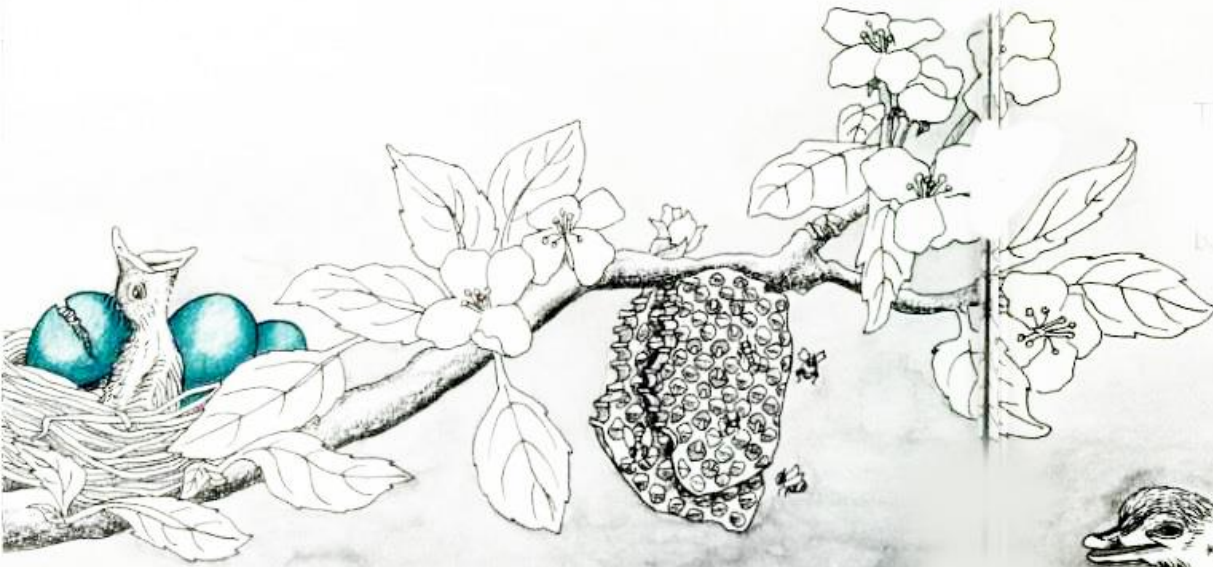
बाद में माँ के शरीर के बाहर अंडे का आवरण यानि खोल टूट जाता है, और फिर उन अंडों में से - शुतुरमुर्ग, सांप, मेंढक, मधुमक्खियाँ, कछुए, मुर्गियाँ, या रॉबिन के बच्चे बाहर निकलते हैं.

अन्य जानवरों के भी बच्चे होते हैं.
लेकिन आपने उनके अंडे कभी देखे नहीं होंगे.

उनके अंडे कहां हैं? कुत्ते के भी बच्चे
होते हैं, लेकिन उसके अंडे कहाँ हैं?
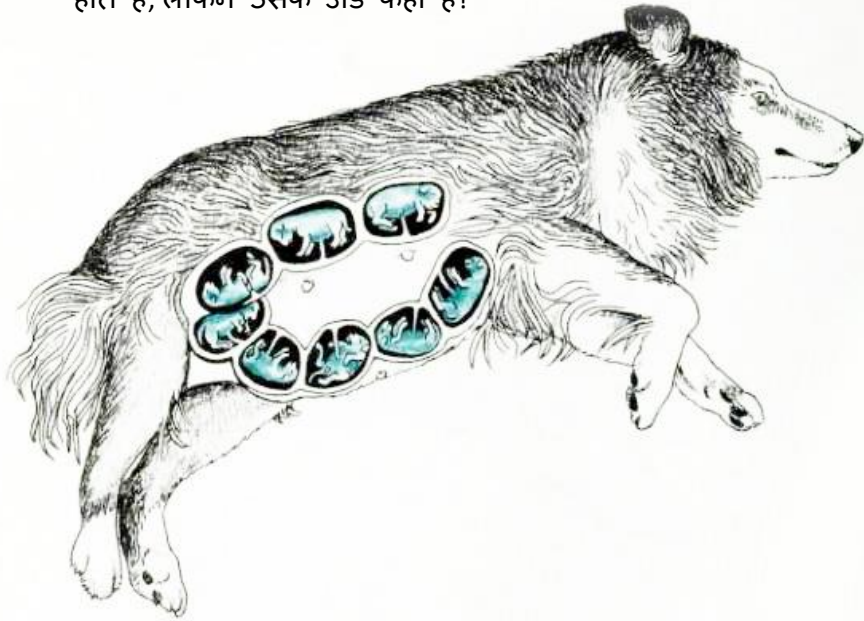
आप कुत्ते के अंडों को देख नहीं पाते हैं लेकिन अंडे जरूर होते हैं.
माँ कुत्ते के अंदर छिपी हुई एक विशेष थैली होती है - एक गर्म,
सुरक्षित स्थान, जहाँ कुत्ते के अंडे, छोटे पिल्लों में बदलते हैं.
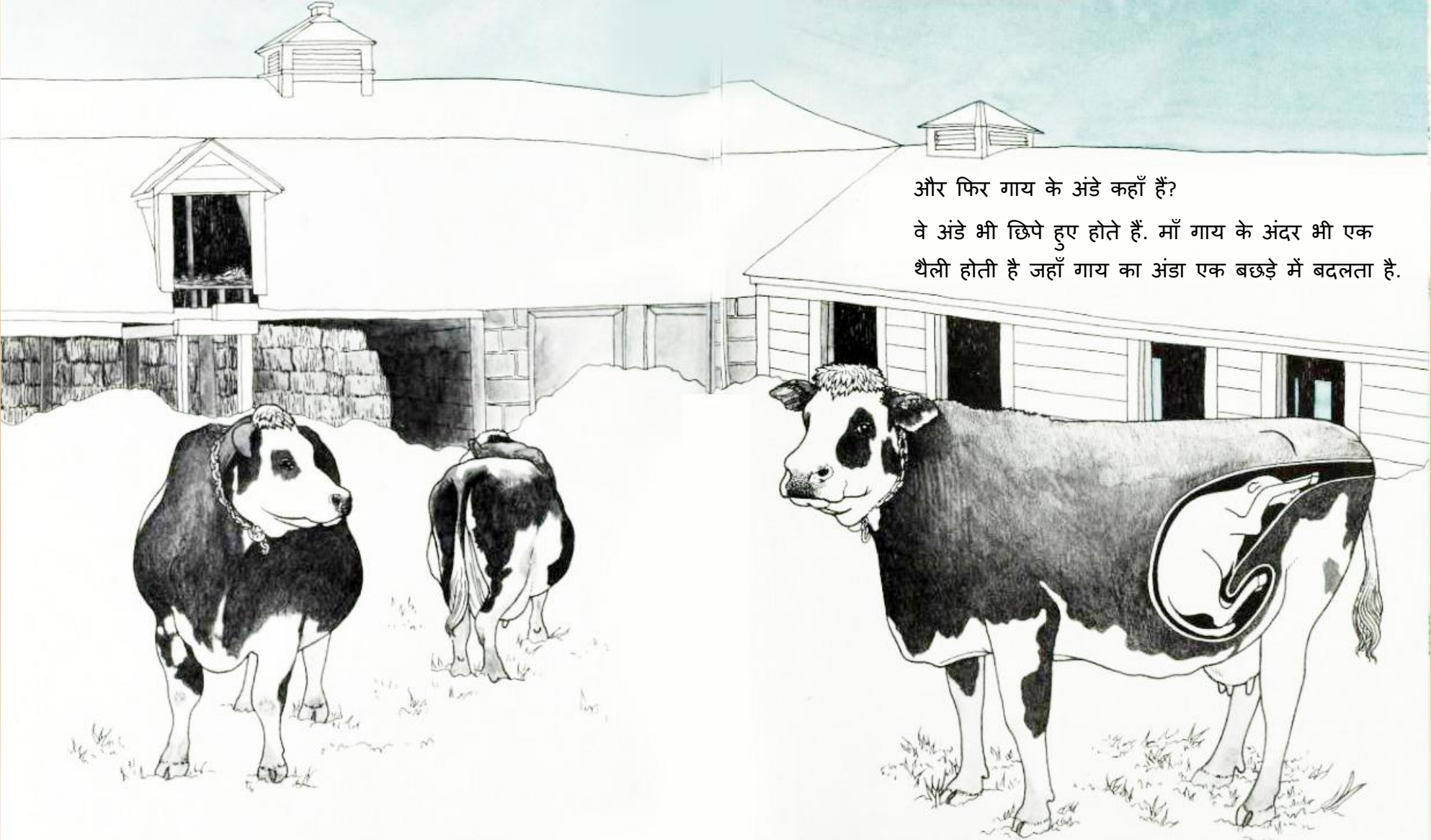
और फिर गाय के अंडे कहाँ हैं?

वे अंडे भी छिपे हुए होते हैं. माँ गाय के अंदर भी एक थैली होती है जहाँ गाय का अंडा एक बछड़े में बदलता है.
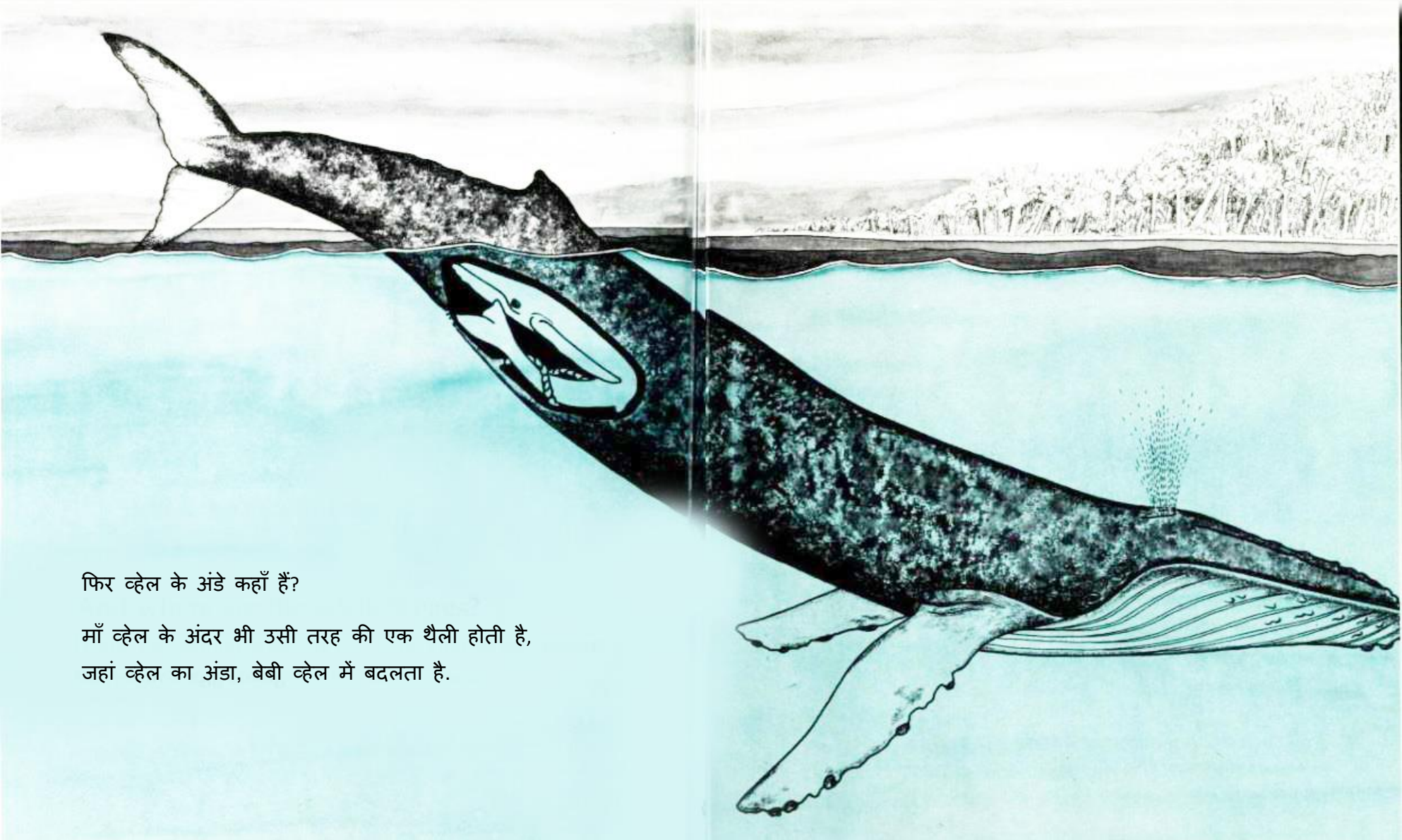
फिर व्हेल के अंडे कहाँ हैं?

माँ व्हेल के अंदर भी उसी तरह की एक थैली होती है,
जहां व्हेल का अंडा, बेबी व्हेल में बदलता है.
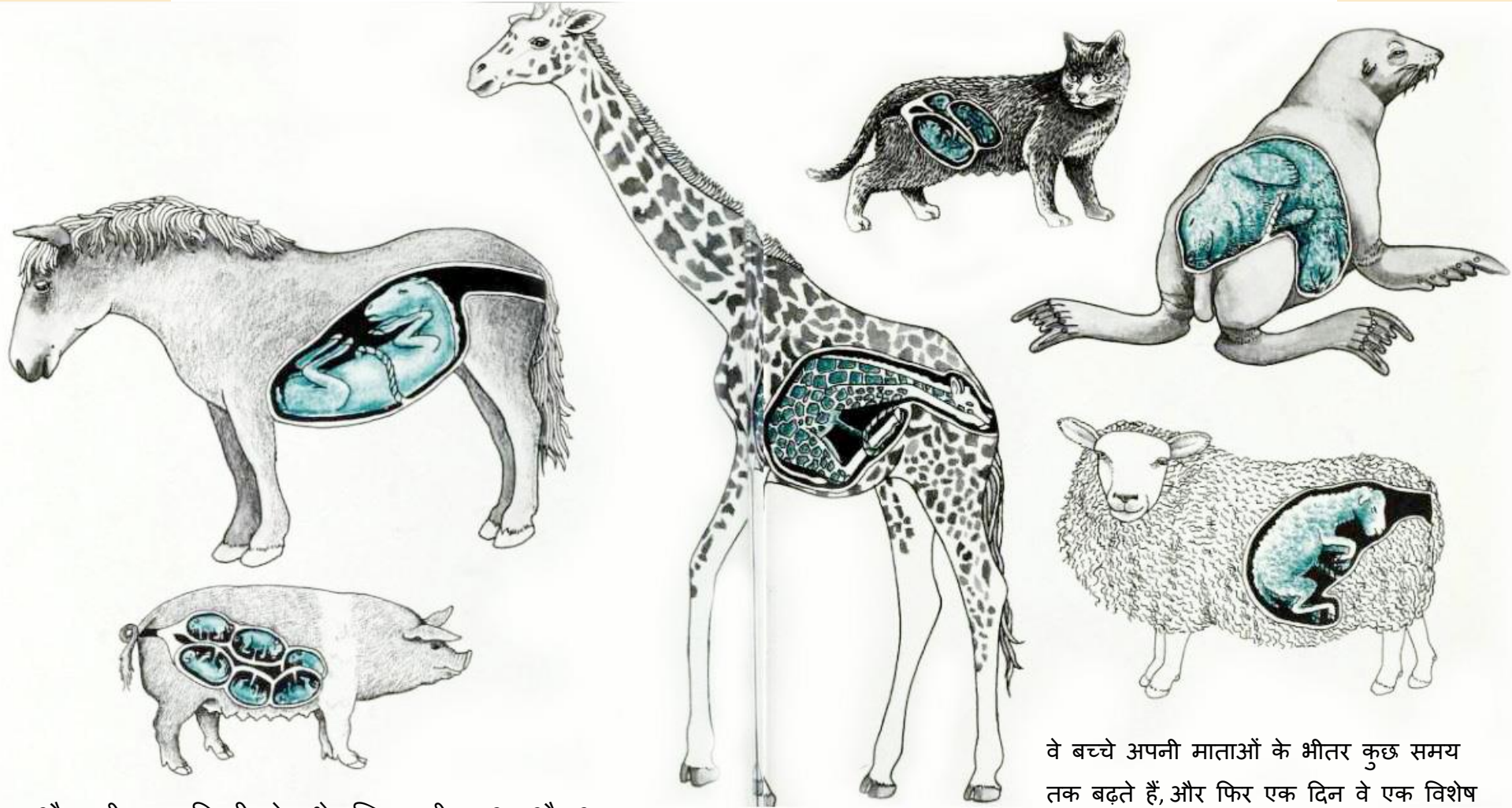
और उसी प्रकार बिल्ली, घोड़ा, भेड़, जिराफ़, सील, सुअर और अन्य जानवरों की माँओं में भी अंदर उसी तरह की एक थैली होती है जहाँ उनके अंडे, बच्चों में बदलते हैं. फिर वे धीरे-धीरे करके बढ़ते हैं.

वे बच्चे अपनी माताओं के भीतर कुछ समय तक बढ़ते हैं, और फिर एक दिन वे एक विशेष ट्यूब के माध्यम से दुनिया में बाहर आते हैं. वो ट्यूब उन्हें बाहर निकालने के लिए फैलती है.

तब वे पैदा होते हैं.
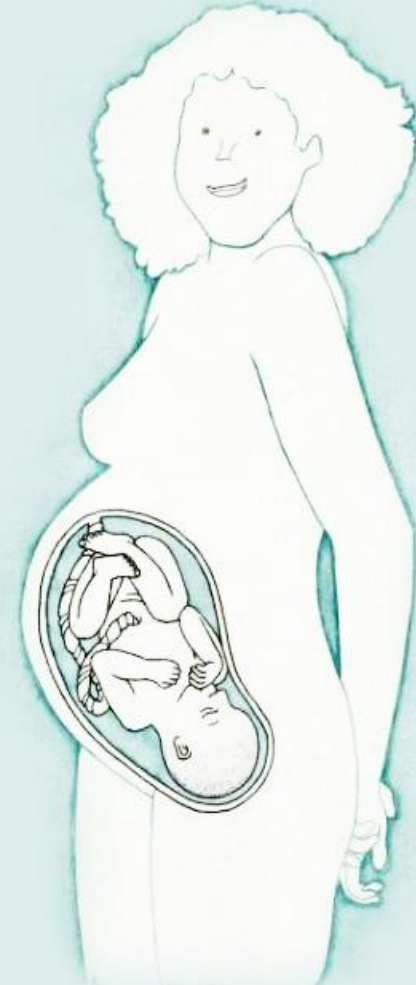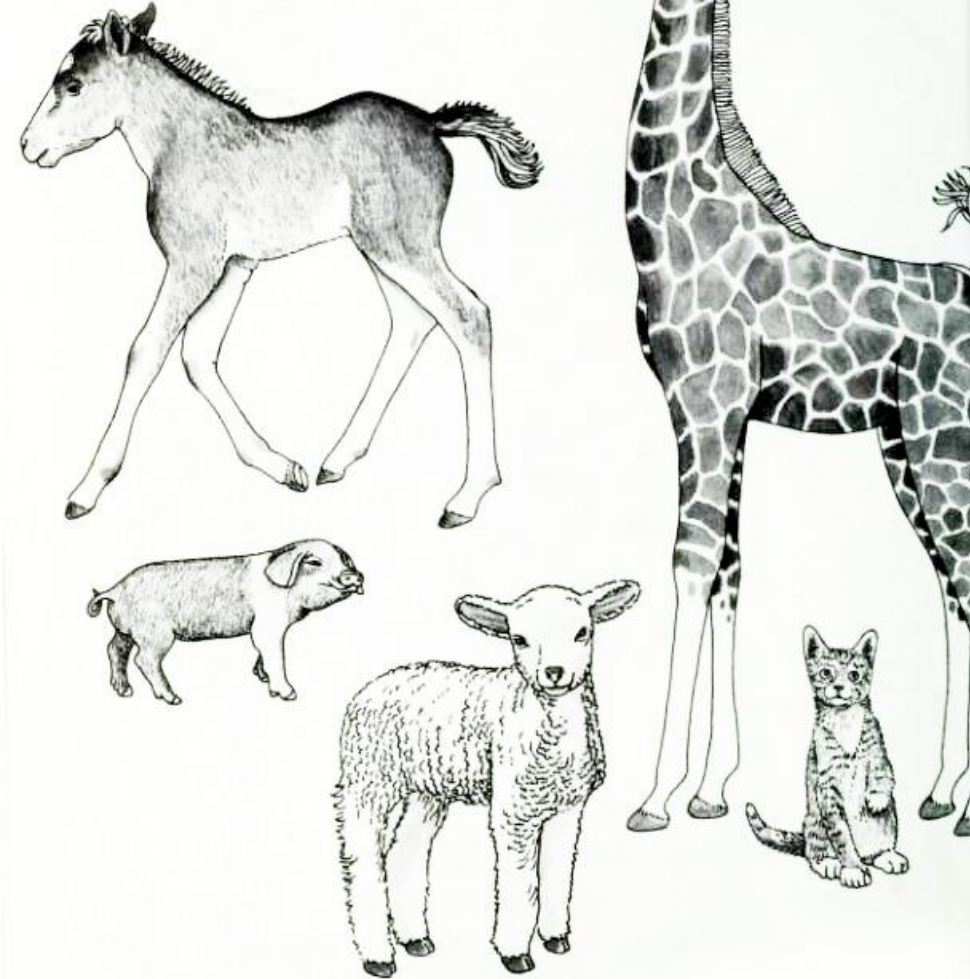
आप भी एक दिन वैसे ही पैदा हुए थे. आप भी अपनी माँ के अंदर एक छोटे से अंडे से विकसित हुए. आप तब तक अपनी माँ के अंदर बढ़े जब तक कि आप एक पूर्ण आकार के बच्चे जैसे बाहर आने को तैयार नहीं हो गए.

अंत